भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 694
(जिसका उत्तर सोमवार, 12 दिसम्बर, 2022/21 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है)

विदेशी ऋण

694. श्री प्रताप सिम्हाः
श्री डी.एम. कथीर आनन्दः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश का लगभग 267 बिलियन डॉलर का विदेशी ऋण (निजी और संप्रभु) अगले 12 महीनों में परिपक्व हो जाएगा, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी असर पड़ सकता है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
(ग) क्या देश का विदेशी मुद्रा भंडार, जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 19 प्रतिशत है, से उक्त ऋण के मुद्दे का समाधान होगा और इससे आवश्यक संतुलन और सुविधा प्राप्त होगी; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): भारत का कुल बाहरी ऋण जो अगले 12 वर्षों में परिपक्व होगा और उसमें अवशिष्ट परिपक्वता आधार पर अल्पकालिक ऋण (अर्थात् ऋण दायित्व जिसमें मूल परिपक्वता तक अगले 12 महीनों में कम होने वाले दीर्घकालिक ऋण और मूल परिपक्वता तक अल्पकालिक ऋण शामिल है), जून, 2022 के अंत तक, 280.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था। यह देश की विदेशी मुद्रा भण्डार निधि का 47.6 प्रतिशत था। इस प्रकार अल्पावधिक बाहरी ऋण पर भार कम है और उपलब्ध विदेशी मुद्रा भंडारों द्वारा संरक्षित है।

(ग) और (घ): जून, 2022 के अंत तक, बाहरी ऋण के विदेशी मुद्रा भण्डार निधि का अनुपात (दीर्घकालिक और अल्पकालिक) 95.5 प्रतिशत था और जीडीपी के बाहरी ऋण का अनुपात 19.4 प्रतिशत था। ये ऋण संवेदनशीलता संकेतक अनुकूल हैं और अतः, सुविधाजनक हैं। इसलिए, इस समय विदेशी मुद्रा भंडारों और बाहरी ऋण का स्तर सुविधाजनक स्थिति में हैं और सरकार द्वारा निकटता से मॉनीटर किए जा रहे हैं तथा आरबीआई को भारत के बाहरी क्षेत्र की स्थिरता को सुनिश्चित करता है।

****